

प्रेषक,

(11)

सुशांत पट्टनाथक  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक  
नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन,  
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक १९ अप्रैल, 2011

**विषय:-**वन विभाग के अनुदान सं0-27 आयोजनेतर पक्ष में वित्तीय वर्ष 2011-12 की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के आदेश संख्या-209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31 मार्च, 2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के आयोजनेतर पक्ष में संचालित योजनाओं हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि ₹ 1,87,31,00000/- (₹ एक अरब सत्तासी करोड़ इकतीस लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मर्दों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31 मार्च, 2011 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा रिथति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय। शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनेजमेंट), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कठिनाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
2. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
3. यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की रिथति उत्पन्न न हो।
4. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्यक्ष माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा।
5. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय को फेजिंग (त्रिमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।

क्रमशः...2

6. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 20 तारिख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय।
7. व्यय में मितव्ययता निराकार आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इस सम्बन्ध में येतन आदि मर्दों के अतिरिक्त शेष मर्दों में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाय तथा तदनुसार विशेषकर आयोजनेतर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
8. मानक मर्दों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशनुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. योजनाओं की विभिन्न मर्दों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय।
10. धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा।
11. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
12. अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखा शीर्षक की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3- ये आदेश वित्त विभाग(अनुभाग-1) के शासनादेश सं0-209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31 मार्च, 2011 द्वारा वित्तीय वर्ष 2011-12 में वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने सम्बन्धी दिशा-निर्देश के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(सुशांत पट्टनायक)  
अपर सचिव

क्रमशः...3

संख्या- ७७७ (१)/X-२-२०११, तददिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-१/१०५, इन्द्रानगर, देहरादून.
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोर्ट्स बिलिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
3. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
7. समरत जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
8. वित्त अनुभाग-४, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
13. गार्ड फाईल.

आज्ञा से,

ठाण्डा  
(अहमद अली)  
अनु सचिव

(धनराशि ₹ हजार में)

क्र० सं०	योजना का नाम / लेखा शीर्षक/मानक मद	आय- व्ययक प्रावधान	वर्तमान स्थीकृति
1	2	3	4
2406-	वानिकी तथा वन्य जीवन		
01-	वानिकी		
001-	निदेशन तथा प्रशासन		
1 03-00-	सामान्य अधिकान		
01-	वेतन	1000000	1000000
02-	मजदूरी	135000	135000
03-	महंगाई भत्ता	600000	600000
06-	अन्य भत्ते	107800	107800
09-	विद्युत देय	7000	7000
10-	जलकर/जल प्रभार	1000	1000
13-	टेलीफोन पर व्यय	2500	2500
15-	मोटर गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	5500	5500
17-	किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	1500	1500
39-	औषधि तथा रसायन	600	600
41-	भोजन व्यय	1000	1000
	योग-001-03-00	1861900	1861900
2 04-00-	वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति		
07-	मानदेय	200	200
15-	मोटर गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	150	150
	योग-001-04-00	350	350
2406-	वानिकी तथा वन्य जीवन		
01-	वानिकी		
105-	वन उत्पाद		
3 04-00-	लीसा		
02-	मजदूरी	10000	10000
13-	टेलीफोन पर व्यय	300	300
15-	गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	550	550
	योग-105-0400	10850	10850
	कुल योग	1873100	1873100

(वर्तमान स्थीकृति ₹ एक अरब सत्तासी करोड़ इकतीस लाख मात्र)

सुशांत पट्टनायक  
अपर सचिव